भारत की राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

का

14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर संबोधन

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 2024

आज, भारत के निर्वाचन आयोग के पचहत्तरवें स्थापना दिवस तथा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई देती हूं।

चुनाव प्रक्रिया में सराहनीय योगदान देने के लिए चुने गए सभी पुरस्कार विजेताओं को मैं विशेष बधाई देती हूं।

मुझे बताया गया है कि आज के दिन लोकतन्त्र का यह उत्सव राज्य और जिला स्तर पर तथा देश के अनेक मतदाता केन्द्रों पर एक साथ मनाया जा रहा है। प्रशासन और जनता की बड़े पैमाने पर इस उत्सव में भागीदारी की व्यवस्था करने के लिए मैं निर्वाचन आयोग को साधुवाद देती हूं।

दुनिया के सबसे विशाल और जीवंत लोकतन्त्र की विश्व-पटल पर प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए मैं देश के सभी मतदाताओं को बधाई देती हूं।

हमारे लोकतन्त्र की विशालता और विविधता हमारे लिए गर्व की बात है। हमारे लोकतन्त्र की गौरवशाली यात्रा में निर्वाचन आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब तक निर्वाचन आयोग द्वारा 17 आम चुनाव और 400 से अधिक विधान सभा चुनाव सम्पन्न कराए जा चुके हैं। इस वर्ष निर्वाचन आयोग द्वारा वर्ष 2024 के आम चुनाव सम्पन्न कराए जाएंगे। आज देश में 96 करोड़ से अधिक मतदाता हैं तथा आम चुनाव में लगभग 12 लाख मतदान केंद्र स्थापित

किए जाएंगे। इस वर्ष आम चुनाव को सम्पन्न कराने में लगभग डेढ़ करोड़ चुनाव कर्मी अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। भारत के आम चुनाव कराने में लोकतन्त्र से जुड़ी, विश्व की सबसे बड़ी logistics exercise की जाती है। मुझे बताया गया है कि आगामी आम चुनाव में अधिक से अधिक मतदान हो तथा मतदान प्रक्रिया सुविधाजनक हो, ऐसे उद्देश्यों के साथ निर्वाचन आयोग द्वारा एक Turnout Implementation Plan तैयार किया गया है। अनेक जटिलताओं और चुनौतियों के बीच हमारे निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न किया जाता है। इसके लिए निर्वाचन आयोग के तहत कार्यरत टीम का प्रत्येक सदस्य बधाई का हकदार है।

निष्पक्ष और समावेशी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए मैं निर्वाचन आयोग की वर्तमान और पूर्ववर्ती टीमों की भरपूर सराहना करती हूं। मुझे बताया गया है कि विदेश में रहने वाले मतदाताओं, फौज में अपनी तैनाती के स्थान पर मौजूद सेनानियों और migrant workers के लिए मतदान करना सुगम बनाने की दिशा में निर्वाचन आयोग निरंतर प्रयासरत है। मतदाता सूची को update करने तथा उसमें संशोधन करने, मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने और मतदान केन्द्रों तक पहुंच कर मतदान के अधिकार का प्रयोग करने, आदि सभी पहलुओं पर निर्वाचन आयोग पूरा ध्यान दे रहा है। 'कोई भी मतदाता छूटने न पाए', इसके लिए निर्वाचन आयोग सदैव प्रयासरत रहता है। निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए आज जारी की गई Tagline 'चुनाव का पर्व, देश का गर्व' अत्यंत सारगर्भित और प्रेरक है। ऐसे समग्र प्रयासों के लिए मैं निर्वाचन आयोग की सराहना करती हूं।

जितने बड़े पैमाने पर और जिस सफलता के साथ हमारे देश की चुनाव प्रक्रिया में आधुनिक technology का उपयोग किया गया है वह विश्व के सभी लोकतान्त्रिक देशों के लिए एक मिसाल है। मुझे विश्वास है कि निर्वाचन आयोग

द्वारा, technology का प्रभावी उपयोग, चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी सभी गतिविधियों में, यथासंभव और अधिक बढ़ाया जाएगा।

देश के सभी हिस्सों में रहने वाले मतदाता, सुविधा के साथ मतदान कर पाएं, इसकी व्यवस्था कर पाना आसान नहीं है। हर प्रकार की चुनौतियों के बावजूद निर्वाचन आयोग की टीम इस कठिन काम को अंजाम देती है। यह हमारे लोकतन्त्र की बहुत बड़ी उपलब्धि है।

निर्वाचन आयोग ने विभिन्न स्तरों पर प्रशासन और संस्थानों का सहयोग सुनिश्चित करके महिलाओं, दिव्यांग-जनों, वरिष्ठ नागरिकों, सुदूर क्षेत्रों में बसे जनजातीय समुदाय के लोगों और समाज के वंचित वर्गों द्वारा मतदान को प्रोत्साहित किया है। जो लोग मतदान केन्द्रों तक नहीं जा सकते उनके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा घर में ही मतदान की सुविधा प्रदान करना सराहनीय है। इन प्रयासों से हमारे देश की चुनाव प्रक्रिया और अधिक समावेशी हुई है।

सभी मतदाताओं के समावेश के मूल में जो सोच है उसे आज यहां दिखाई गई फिल्म में बहुत प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया है। Short फिल्म जैसे रोचक माध्यम के जरिए 'Each Vote Matters' तथा 'Every Vote Counts' का संदेश प्रसारित करने के लिए मैं निर्वाचन आयोग की सराहना करती हूं।

हाल ही में निर्वाचन आयोग द्वारा अनेक राज्यों में चुनाव सम्पन्न कराए गए हैं। चुनाव प्रक्रिया में नैतिक आचार का संरक्षण करने के प्रयासों से लेकर Special Polling Booths की स्थापना तक अनेक उल्लेखनीय कार्य आयोग द्वारा किए गए हैं। मैं छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अब तक का अधिकतम मतदान कराने में सफलता के लिए निर्वाचन आयोग की टीम को विशेष बधाई देती हूं।

मैं आशा करती हूं कि निर्वाचन आयोग द्वारा, शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से, पाठ्यक्रमों में Electoral Literacy को शामिल करना, विद्यार्थियों को,

नागरिकता के एक अत्यंत महत्वपूर्ण कर्तव्य के प्रति सजग बनाने में सफल सिद्ध होगा।

हमारे युवा, हमारे लोकतन्त्र के भविष्य के कर्णधार हैं। आज यहां उपस्थित युवा मतदाताओं ने Elector Photo Identity Card प्राप्त करके देश की लोकतान्त्रिक प्रणाली में निर्णायक भागीदार होने का अधिकार प्राप्त किया है। इसके लिए मैं आप सभी युवाओं को बधाई देती हूं। इस अधिकार को प्राप्त करने के साथ आप सभी युवाओं के कर्तव्य भी बढ़ गए हैं। देश के आप जैसे सभी युवा मतदाता हमारी लोकतान्त्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखने के लिए वचनबद्ध हैं। हर प्रकार के भेद-भाव और संकीर्णता से ऊपर उठकर, निर्भय होकर, नैतिकता के साथ सभी चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए भी आपने शपथ ली है।

यहां उपस्थित युवा मतदाता, देश के उन करोड़ों युवाओं के प्रतिनिधि हैं जो वर्ष 2047 के स्वर्णिम भारत के निर्माण में अपनी निर्णायक भूमिका निभाएंगे। इस राष्ट्र-निर्माता युवा-शक्ति को जागरूक बनाने के प्रयासों के लिए मैं निर्वाचन आयोग की एक बार फिर सराहना करती हूं। हमारे महान लोकतन्त्र की सेवा में किए जा रहे निर्वाचन आयोग के प्रयासों की सफलता की मंगलकामना के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देती हूं।

धन्यवाद!

जय हिन्द!

जय भारत!